Set I

वंदे मातरम्

वंदे मातरम् वंदे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामला मातरम् वंदे मातरम्
शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनी
फुल्य कुसुमित द्रुमदल शोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिनीं
सुखदां वरदां मातरम् वंदे मातरम्

आलोकित पथ करो हमारा हे जग के अंतर्यामी
शुभ्र प्रकाश दो स्वच्छ दृष्टि दो जड़ चेतन सबके स्वामी
तुच्छ हमारे मन के हे दाता दुर्विचार सब दूर करो
प्रेरित हों हम केवल तुमसे ऐसी हममें शक्ति भरो
हमको विधाता ऐसी बुद्धि दो जात पात सब दूर करो
बढ़े राष्ट्र उत्थान प्रेरणा जागे हर जन मानस में
आलोकित पथ करो हमारा हे जग के अंतर्यामी

हम होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब एक दिन
मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन
होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर
एक दिन ओ .... मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन
हम चलेंगें साथ-साथ डाल हाथों में हाथ हम चलेंगें साथ-साथ
एक दिन ओ .... पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन
नहीं डर किसी का आज नहीं भय किसी का आज एक दिन
मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन

जन गण मन अधिनायक जय है भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा, द्रविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे तव शुभ आशीष मांगे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय है भारत भाग्य विधाता
जये हे, जये हे, जये हे,
जय जय जय जय हे।

हम जवान देश के रुके नहीं झुके नहीं
काम कौन सा है जो कि हम से हो सके नहीं हम जवाँ हम जवाँ
याद है कुर्बानियाँ जो शहीद दे गए
कर चलो या मर चलो ये बात हम से कह गए
कह सकेंगें अब बुराईयाँ यहाँ कहीं नहीं हम जवाँ हम जवाँ
कर्म देश सेवा का हम इसे निभायेंगे
अपने देश राज्य को जहाँ में एक बनाएँगे
मन्त्र प्रजातन्त्र का सुनायेंगे सभी यही हम जवाँ हम जवाँ
जिन्दगी है देश की देश ये हमारा है
स्वतन्त्रता अमर रहे यही हमारा नारा है
काम चाहते थे जो भी कर चलेंगें हम वही हम जवाँ हम जवाँ

Set II

वंदे मातरम्

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरो की जय से पहले खुद की जय करें
भेदभाव अपने दिल से साफ कर सकें

दोस्तों से भूल हो तो माफ कर सकें
झूठ से बचें रहें सच का दम भरें दूसरो की जय ....
मुश्किलें पड़े तो हम पे इतना कर्म कर
साथ दें तो धर्म का चलें तो धर्म पर
खुद पें हौंसला रहे बदी से न डरें दूसरों की जय ....
हमको मन की शक्ति देना

देश्र हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें
सूरज हमें रोशनी देता हवा नया जीवन देती है
भूख मिटाने को हम सबकी धरती पर होती खेती है
औरों का भी हित हो जिसमें हम ऐसा कुछ करना सीखें
पथिकों को तपती दोपहर में पेड़ सदा देते हैं छाया
सुमन सुगंध सदा देते हैं, हम सबको फूलों की माला
त्यागी कर्मो के जीवन में हम ऐसा कुछ करना सीखें
जो अनपढ़ है उन्हें पढ़ाएँ जो चुप हैं उनको वाणी दें
जो पिछड़ें है उन्हें बढ़ाएँ प्यासी धरती को पानी दें
हम मेहनत के दीप जलाकर नया उजाला करना सीखे

राष्ट्रगान

कदम-कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा
ये जिन्दगी है कौम की तू कौम पे लुटाए जा
कदम-कदम बढ़ाए जा ....
तू शेर हिन्द आगे बढ़ मरने से पहले तू न डर
उड़ा दे दुश्मनों का सर जोश-ए वतन बढ़ाए जा
तेरी हिम्मत बढ़ती रहे, खुदा तेरी सुनता रहे

जो सामने पड़े तेरे, तू खाक में मिलाए जा
चलो दिल्ली पुकार के, अपना निशां संभाल के
लाल किले पे गाड़ के, लहराए जा, लहराए जा
कदम-कदम बढ़ाए जा ....

Set III

वंदे मातरम्

वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्तव्य मार्ग पर डट जाएँ
पर सेवा पर उपकार में हम निज जीवन सफल बना जाएँ
हम दीन दुखी निबलों विपलों के सेवक बन संताप हरें
जो हैं अटके भूले भटके उनको तारें खुद तर जाएँ
छल दंभ द्वेष पाखंड झूठ अन्याय से निशदिन दूर रहें
जीवन हो शुद्ध सरल अपना शुचि प्रेम सुधा नित बरसावें
निज आन मान मर्यादा का हमें ज्ञान रहे अभिमान रहे
जिस देश जाति में जन्म लिया बलिदान उसी पर हो जाएँ
वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्तव्य मार्ग पर डट जाएँ

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा, हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा हमारा, सारे जहाँ से............
पर्वत वो सबसे ऊंचा हमसाया आसमाँ का
वो संतरी हमारा वो पासवां हमारा सारे जहाँ से ....
गोदी में खेलती हैं जिसकी हजारों नदियाँ
गुलशन है जिनके दम से रशके जनां हमारा हमारा सारे जहाँ से
....
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिन्दी हैं हम हिन्दी हैं हम हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा
सारे जहाँ से अच्छा ....

राष्ट्रगान

निशां उठा कदम बढ़ा निशां उठा कदम बढ़ा निशां उठा कदम बढ़ा
निशां उठा कदम बढ़ा विजय के गीत गाएँगे
महेश्वरी के लाल हम निराली लौ जलाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा
भारत माँ की हैं शान हम इस देश की हैं आन हम
है रुप इसका मान हम ये मान हम बढ़ाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा
बनेंगें जग में दीप हम मोती हैं तो सीप हम
किरण के हैं समीप हम अंधेरे को मिटाएँगे
निशां उठा कदम बढ़ा

Set IV

वंदे मातरम्

इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर होना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना
दूर अज्ञान के हों अंधेरे तू हमें ज्ञान की रोशनी दे
हर बुराई से बचते रहें हम जितनी भी दे भली जिन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से भावना मन में बदले की हो ना
हम न सोचें हमें क्या मिला है हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बांटे सभी को सबका जीवन ही बन जाए मधुबन
अपनी करूणा का जल तू बहा के कर दे पावन हर इक मन का कोना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल होना
इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर हो ना

योगा म्यूजिक

वंदे मातरम्

हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान हम बनें महान

वीर बनें धीर बनें वीर बनें धीर बनें बनें शीलवान शीलवान शीलवान
निर्भय और निडर बनें साथ ही सयाने बनें
सबके प्रिय मधुर बनें उच्च हृदय वाले बनें
तन से हम स्वस्थ बनें मन से विद्वान हम बने महान हम बनें महान
चित सदा हो निर्मल एकता हमारा बल
चाहते हैं हम कौशल सबका करके मंगल
सेवा व्रत धारण करें बने गुण निधान
हम बनें महान हम बनें महान
वीर बनें धीर बनें वीर बनें धीर बनें
बनें शीलवान शीलवान शीलवान शीलवान

Set V

वंदे मातरम्

हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं, तुम्हें शीश झुकाते हैं
हे सृष्टि के दाता कर्ता तुम्हें शीश झुकाते हैं
दो विद्या का दान हमें भले बुरे का ज्ञान हमें
हम विनती यही सुनाते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं.....................
धीर वीर गम्भीर बनें हम विजयी से वीर बनें
हम कष्टों में मुस्काते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं ....
काम देश के आएँ हम नाम अमर कर जाएँ हम
हम तुमसे चाहत पाते हैं तुम्हें शीश झुकाते हैं
हम हाथ जोड़ गुण गाते हैं ....

हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
तन से मन से धन से, तन मन धन जीवन से
हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
हम कर से मुख से चित्त से
निश्चल हो निर्मल मति से
श्रद्धा से मस्तक नत से
हम करें राष्ट्र अभिवादन हम करें राष्ट्र अभिवादन
हम करें राष्ट्र आराधन ....
अपने हसते शैशव से
अपने खिलते यौवन से
आद्यत: पूर्ण जीवन से
हम करें राष्ट्र का अर्चन हम करें राष्ट्र का अर्चन
हम करें राष्ट्र आराधन ....
अपने अतीत को पढ़कर
अपना इतिहास उलट कर
अपना कर्त्तव्य समझकर
हम करें राष्ट्र का चिंतन हम करें राष्ट्र का चिंतन
हम करें राष्ट्र आराधन हम करें राष्ट्र आराधन
तन से मन से धन से, तन मन धन जीवन से
हम करें राष्ट्र आराधन ....

हम सब भारतीय हैं हम सब भारतीय हैं
अपनी मंजिल एक है आहा एक है ओ हो एक है हम सब............
कश्मीर की धरती रानी है सरताज हिमालय है
सदियों से हमने इसको अपने खून से पाला है
देश की रक्षा की खातिर हम शमशीर उठा लेंगें
बिखरे बिखरे तारे हैं हम एक झिलमिल एक है आहा एक है

हम सब भारतीय हैं ....
मंदिर गुरुद्वारे भी हैं यहाँ और मस्जिद भी है यहाँ
गिरजा का है घड़ियाल कहीं मुल्ला की कहीं हैं अजाँ
एक ही अपना राम है एक ही अल्ला ताला है
रंग बिरंगें हीरक हैं हम एक जगमग एक है अहा एक है
हम सब भारतीय हैं....................
अब सारी दुनिया में हम हो जंग न होने देंगे
अब हम मानव को ऐसी मौत की नींद न सोने देंगे
अमन ही अपनी पूँजी है अमन ही अपना नारा है
ऊँची नीची लहरें हैं हम एक सागर एक है आहा है
हम सब भारतीय हैं....................

Set VI

वंदे मातरम्

सद्‌बुद्धि हमें दीजिए संसार के स्वामी
हम पे ये कर्म कीजिए संसार के स्वामी
मिट जाए मन के भेद भाव प्रेम से रहें
आपस के दुख विषाद मिल जुल के हम सहें
मन ऐसा निर्मल कीजिए संसार के स्वामी
कर्त्तव्य मार्ग पर चलें मेहनत से न डरें
पथ कांटो से भरा हौ पर हँस हँस के हम चलें
दिव्य शक्ति ऐसी दीजिए संसार के स्वामी
फूलों की तरह महकें हम चंदा से चमकें हम
सागर सा दिल विशाल हो सूरज से दमके हम
पर्वत सा अटल कीजिए संसार के स्वामी
सद बुद्धि हमें दीजिए संसार के स्वामी
हम पे ये कर्म कीजिए संसार के स्वामी

पी0 टी0 म्यूजिक

राष्ट्रगान

शांति गीत गाए जा क्रांति गीत गाए जा
कह रहा तिरंगा ऊँचा सर उठाए जा
सर उठाए जा उठाए जा उठाए जा
रंग धर्म जाति भेद भर रहे हैं जग में भेद
बंधनों को तोड़कर के एकता को लाए जा
सर उठाए जा.....................
युद्ध की घटाएँ घनघोर छा रही हैं चारों ओर
शांति की हवाएँ बन बदलियाँ हटाए जा
सर उठाए जा.....................
विश्व का भविष्य आज नौजवान तेरे हाथ
प्रेम के प्रकाश को विश्व में फैलाए जा
सर उठाए जा.....................
शांति गीत गाए जा क्रांति गीत गाए जा.....................